HIN-HC-6026

हिन्दी परियोजना कार्य (Hindi Project Work)

कुल अंक : 100

लघु शोध-प्रबन्ध : 80

मौखिकी : 20

क्रेडिट : 6

लक्ष्य : *विद्यार्थियों की शोध-प्रवृत्ति को जगाना, उनकी आलोचनात्मक समीक्षा की योग्यता को प्रोत्साहित करना, साथ ही तकनीकी (डी.टी.पी., पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के रूप में) उपयोग हेतु उन्हें प्रेरित करना इस परियोजना-कार्य का प्रमुख लक्ष्य है।*

*(**द्रष्टव्य** : प्राध्यापकों द्वारा निर्धारित किए गए विषयों पर विद्यार्थी अपने परियोजना-कार्य को स्वयं कम्प्यूटर में टंकित करें। मौखिकी में विद्यार्थी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन द्वारा अपनी प्रस्तुति देंगे। इस प्रस्तुति में विभागीय अध्यक्ष, परियोजना-निर्देशक, विभागीय प्राध्यापकगण एवं महाविद्यालय के अध्यक्ष या अध्यक्ष के प्रतिनिधि की उपस्थिति अपेक्षित है।)*

स्नातक (ऑनर्स) पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थी को किसी एक हिन्दी साहित्यिक विभूति के जीवन एवं साहित्यिक उपलब्धियों पर साहित्य-सर्वेक्षण के तहत एक लघु शैक्षिक परियोजना-कार्य एक शोध-निर्देशक के अधीन रहकर संपादित करना पड़ेगा। परियोजना-कार्य का विषय (निम्नलिखित सूची में से) और शोध-निर्देशक विद्यार्थी को उक्त छमाही के आरम्भ में ही कॉलेज के संबद्ध विभाग द्वारा निर्धारित कर दे दिए जाएंगे। विद्यार्थी को एम.फिल. के लघु शोध-प्रबन्ध (स्पाइरल बाइंडिंग रूप में) की तरह ही तैयार किए गए लगभग **50** पृष्ठों के परियोजना-कार्य को उक्त छमाही की अन्तिम परीक्षा के आरम्भ के एक सप्ताह पूर्व ही जमा करना होगा। विभाग के अध्यक्ष, परियोजना-कार्य के निर्देशक और महाविद्यालय के अध्यक्ष अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि से बनी मूल्यांकन-समिति में से अध्यक्ष या उनके प्रतिनिधि **40** अंक (लेखन : 30 + मौखिकी : 10) तथा विभाग के अध्यक्ष **30** अंक (लेखन : 25 + मौखिकी : 5) एवं परियोजना के निर्देशक **30** अंक (लेखन : 25+ मौखिकी : 5) के अन्तर्गत मूल्यांकन करेंगे। परियोजना-कार्य के मूल्यांकन के दौरान अन्य बातों के साथ ही विद्यार्थी की आलोचनात्मक समीक्षा की योग्यता को ध्यान में रखा जाएगा।

<u>हिन्दी साहित्यिक विभूति</u>

चंदबरदाई, विद्यापति, कबीरदास, मलिक मुहम्मद जायसी, सूरदास, मीराँबाई, गोस्वामी तुलसीदास, रहीम, रसखान, केशवदास, बिहारीलाल, देव, भूषण, घनानन्द, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, हरिऔध, मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा, भगवतीचरण वर्मा, सुभद्रा कुमारी चौहान, चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी', हरिवंशराय 'बच्चन', मुंशी प्रेमचन्द, रामधारी सिंह 'दिनकर', आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, अज्ञेय, जैनेन्द्र कुमार, यशपाल, लक्ष्मीनारायण मिश्र, धर्मवीर भारती, नागार्जुन, मुक्तिबोध, फणीश्वरनाथ रेणु, मोहन राकेश, सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' और उषा प्रियम्वदा।

CBCS-SEC 3rd & 4th Sem.

Roll No.	NAME	Marks of
77	GOPI CHHETRY	
95	SUMAN CHHETRI	
2	ANJALI KUMARI	
46	RETIKA CHETRY	
63	ROHIT DEY	
70	KUSHAL SHARMA	
85	GAURAV KUMAR RAJAK	
96	MUNNI THAKUR	
112	BARSHA DEVI	
132	RAJ BASFOR	
155	ABANTIKA MANDAL	
169	KHUSHBOO KUMARI	
210	NEHA KUMARI SAROJ	
221	SUBHAWATI KUMARI	
225	ANKITA CHHETRY	
228	SUNITA KUMARI CHAUHAN	
230	MANISHA KUMARI RAJBHAR	
243	WINNY JORASA	
247	PRIYANKA KUMARI	
259	SABITA KUMARI MAHATO	
274	PUSPITA DAS	
303	RANI KUMARI	
226	Ankita Mazumdar	

CBCS 5th & 6th Sem. (SEC)

	Roll No.	NAME
195		OMPRAKASH CHOWDHURY
314		AJAY SINGH DOGRA
318		AJIT CHAUHAN
482		MOTI CHAND YADAV
427		Rahul ~~Kumar~~ Sharma
480		Amandeep Chauhan.
249		Badal Roy

लामडिंग कॉलेज , लामडिंग

परियोजना कार्य

सन्-2024

विषय - नई कहानी आन्दोलन के प्रसिद्ध कवि मोहन राकेश

प्रस्तुत कर्ता-

नाम : नंदिनी वर्मा

अनुक्रमांक: UA-211-304-0041

पंजीकरण: 21037373

क्लासः छठवां सेमेस्टर (स्नातक)

लामडिंग कॉलेज, नागांव, असम

मार्गदर्शक

नाम : गुंजा कुमारी सिंह

सहायक प्राध्यापिका - हिन्दी विभाग

लामडिंग कॉलेज, नगाँव, असम

ACKNOWLEDGEMENT

I would like to express my special thanks of gratitude to the people who have helped and supported me throughout my project. I am grateful to ma'am for her continuous support for the project from initial advice and encouragement to this day.

My special thanks goes to our principal ma'am for providing me the best facilities in our college in all aspects.

I would also like to thanks my parents and friends for their motivation and support which inspired me a lot in finalizing this project within the limited time frame. And last but not the least I am very thankful to God who made all the things possible.

Date: 25/04/24

Name- Nandini Barma

Class- 6th Semester

Roll No.-UA-211-304-0041

Registration No. 21037373

Year 2024

CERTIFICATE

It is to certify that Nandini Barma student of B.A 6th Semester (Arts). Having registration No. 21037373 of 2021-22 Roll No. UA- 211-304-0041.

Under Guwahati University has carried out the project under my supervision namely, " Mohan Rakesh" for the completion of their project workin Hindi (Honours) Paper- HIN-HC-(6026).

It is gratifying to the fact that the above said student is found to be very sincere and authentic in their approach of project

DECLARATION

I declare that the project under the guidance of ***Miss Gunjan kumari Singh*** *has been carried out by me and submitted.*

I also declare that the content of this project work have not been submitted to any other publisher or published before.

Gunja-Kumari. Singh.
Signature of the Guide

Date: 25/04/24

Nandini Barma.
Signature of the student

Name- Nandini Barma

Class- 6th Semester

Roll No.- UA-211-304-0041

Registration No.-21037373

Year- 2024

लामडिंग कॉलेज

LUMDING COLLEGE : LUMDING
तमसो मा ज्योतिर्गमय
ESTD 1959

परियोजना कार्य
सन् - 2024
विषय
मैथिलीशरण गुप्त

www.kidscanhavefun.com

प्रस्तुतकर्ता

नाम- प्रियंका कुमारी
अनुक्रमांक – UA-211-304-0058
पंजीकरण - 21037390
कक्षा - छठवां सेमेस्टर
दिनांक- 22-04-2024

निर्देशक
नाम-डॉ अखिल चंद्र कलिता
सहायक प्राध्यापक-हिंदीविभाग
लामडिंग कॉलेज
लामडिंग, नगांव, असम

CERTIFICATE

It is to certify Priyanka Kumari candidate of B.A 6th semester (Arts) Having registration No.21037390 of 2023-24 Roll – UA-211-304-0058.

Under guwahati University has carried out the project under my supervision namely. Methalisarn Gupt For the completion of their project Works in Hindi (Major) paper-Hin-Hc-6026.

It is gratifying to the fact that the above said students are found to be very sincere and authentic in their approach of project.

www.kidscanhavefun.com

DECLRTION

I, declare that the project under the guidance of Sri Dr. Akhil Chandra Kalita Has been carried out by me and submitted.

I also declare that the content of this project work have not been submitted to any other published or published before.

Priyanka Kumari

Signature of the Guide

Signature of the student

Name :- Priyanka Kumari
Roll :- UA-211-304-0058
Registration :- 210367390
Year :- 2024
Class :- 6th Semester
Date :- 22-04-2024

www.kidscanhavefun.com

लामडिंग कॉलेज , लामडिंग

परियोजना कार्य

सन्-2024

विषय - आदिकाल के प्रसिद्ध कवि विद्यापति

प्रस्तुत कर्ता-

नाम : श्रद्धा कुमारी

अनुक्रमांक :UA-211-304-0088

पंजीकरण: 21037421

कक्षा :छठवां सेमेस्टर (स्नातक)

लामडिंग कॉलेज , लामडिंग नगाँव (असम)

मार्गदर्शक

नाम : **श्री राजेश बर्मन**

सहायक अध्यापक -हिन्दी विभाग

लामडिंग कॉलेज, नगाँव, असम

ACKNOWLEDGEMENT

I would like to express my special thanks of gratitude to the people who have helped and supported me throughout my project. I am grateful to sir for her continuous support for the project from initial advice and encouragement to this day.

My special thanks goes to our principal ma'am for providing me the best facilities in our college in all aspects.

I would also like to thanks my parents and friends for their motivation and support which inspired me a lot in finalizing this project within the limited time frame. And last but not the least I am very thankful to God who made all the things possible.

Date: 22/04/2024

Name- Shardha kumari

Class- 6th Semester

Roll No.-UA-211-304-0088

Registration No.-21037421

Year- 2024

CERTIFICATE

It is to certify that **Sardha Kumari** student of B.A 6th Semester (Arts). Having registration No. *21037421* of 2021-22 Roll No. UA- 211-304-0088.

Under Guwahati University has carried out the project under my supervision namely, " **Vidyapati**" for the completion of their project workin Hindi (Honours) Paper- HIN-HC-(6026).

It is gratifying to the fact that the above said student is found to be very sincere and authentic in their approach of project

Shot on realme 8
2024/04/25

HIN-SE-6014

भाषा-शिक्षण

कुल अंक : 100

सैद्धांतिक परीक्षण : 50

व्यावहारिक परीक्षण : 50

क्रेडिट : 4

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के शब्द-भण्डार-सहित व्याकरण-सम्बन्धी मूलभूत बातों, कम्प्यूटरीकरण की दृष्टि से देवनागरी लिपि में सुधार की आवश्यकता-सहित उसकी तमाम विशेषताओं और असमीया भाषा के सन्दर्भ में हिन्दी के विशिष्ट शब्दों की स्थिति आदि सभी जरूरी जानकारियाँ देकर हिन्दी भाषा के शिक्षण-सम्बन्धी उनलोगों के कौशल में वृद्धि लाना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **हिन्दी भाषा एवं शब्द भण्डार** – तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, कृत्रिम

भाषा-विज्ञान के मूलाधार – व्याकरण-बोध, मानक वर्तनी का ज्ञान, शुद्ध वाक्य-विन्यास, वैज्ञानिक उपकरण, मानकीकृत देवनागरी लिपि का अभ्यास

इकाई 2 पर्यायवाची, समार्थक, विलोम, गूढ़ार्थवाची, समश्रुत, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द-युग्म

देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, कम्प्यूटरीकरण की दृष्टि से संक्षेपण-संशोधन की आवश्यकता

इकाई 3 हिन्दी भाषा के विशिष्ट शब्दों का असमीया भाषा के सन्दर्भ में तुलनात्मक अध्ययन

हिन्दी भाषा का भविष्य

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी व्याकरण* – पं. कामताप्रसाद गुरु, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली।
2. *हिन्दी व्याकरण मीमांसा* – काशीराम शर्मा, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली।
3. *व्याकरण प्रदीप* – रामदेव एम.ए., राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली।
4. *नवशती हिन्दी व्याकरण* – बद्रीनाथ कपूर, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली।
5. *मानक हिन्दी का व्यवहारपरक व्याकरण* – रमेशचन्द्र महरोत्रा, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली।
6. *हिन्दी भाषा का वृहत् ऐतिहासिक व्याकरण* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली।
7. *मानक हिन्दी का पारम्परिक व्याकरण* – शुकदेव शास्त्री, साहित्यागार, जयपुर।
8. *आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना* – डॉ॰ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
9. *हिन्दी भाषा* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताबमहल, इलाहाबाद।
10. *हिन्दी-असमीया शब्दकोश* – असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी।
11. *हिन्दी भाषा का विकास* – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा और रामदेव त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
12. *हिन्दी भाषा और नागरी लिपि* – लक्ष्मीकान्त वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।
13. *हिन्दी व्याकरण-विमर्श* – तेजपाल चौधरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

HOME ASSIGNMENT

Topic - देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता।

Paper Code - HIN-SE-6014

Name - Priyanka Thakur

Class - 6th Sem

Roll - 267

Stream - Arts

Co. no - 6001366613

C.U. Roll - UA-211-304-0308

देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता ___

संसार की लिपियों में देवनागरी लिपि समस्त लिपियों में सर्वश्रेष्ठ है। प्राचीन नागरी लिपि से उत्पन्न यह लिपि देववाणि संस्कृत की होने के कारण देवनागरी लिपि कहलाती। था अली पर ब्राह्मी के प्राचीन नागरी के विकास से आगे की कड़ी थी, इसका वर्तमान रूप 10वीं शताब्दी में बनने लगा था, धीरे-धीरे इसकी वर्ण-माला का विकास हुआ। प्रारंभ में इसके वर्ण शिरोरेखा से रहित ही थे। निम्नांकित वर्णों के शिर दो भागों में विभाजित है-

अ, ध, प, म, ष, श।

11वीं से 12वीं शताब्दी तक यह लिपि अपने वर्तमान रूप को प्राप्त हो गई थी, किंतु कुछ वर्ण पुराने रूप में ही चल रहे थे।

LUMDING COLLEGE

Home assignment

Subject ÷ Hindi - SE - 6014

Topic ÷ देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता.

Submitted by ÷

Name ÷ Ajit Chauhan

Class ÷ TDC 6th Semester

Rollno ÷ 318

Gu Rollno ÷ UA-211-304-0109

Rg no ÷ 21037442

Phone number - 6003746467

Submitted to ÷

Department of Hindi.

देवनागरी एक लिपि है: जिसमे अनेक भारतिय भाषाएं तथा विदेशी भाषाए लिखि जाती है। संस्कृत, पालि हिन्दी, मराठी, कोंकणी, सिन्धी, काशमिरी, नेपाली, तामाड भाषा, गढ़वाली, बोड़ो अंगिका मगही, भोजपुरी, मैथली, संथाली आदि भाषाए देवनागरी मे लिखी जाती है। इसके अतिरिक्त कुछ स्थीतियो से गुजराती, पंजाबी, विषणुपुरिया मणिपुरी, रोमानी, और उर्दू, भाषाए मे लिखी जाती है।

अधिकतर भाषाओ कि तरह देवनागरी भी बाये से दाये लिखि जाती है। प्रत्येक शब्द के उपर एक रेखा खिची जाती है इसे शिरोरेखा कहते है। इसका विकास ब्राह्मी लिपी से हुआ है। यह एक ध्वन्यात्मक लिपी है जो प्रचलित लिपियों

CCTV
SURVEILLANCE

HIN-SE-4014

अनुवाद विज्ञान

कुल अंक : 100

सैद्धांतिक परीक्षण : 50

व्यावहारिक परीक्षण : 50

क्रेडिट : 4

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को अनुवाद-सम्बन्धी सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देकर, विशेषतः कार्यालयीन अनुवाद के सन्दर्भ में राजभाषा-नीति के अनुपालन में धारा 3(3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेज़ों के सटीक अनुवाद की सम्यक् जानकारी प्रदान करके कार्यालय, तकनीकी, सर्जनात्मक साहित्य आदि विविध क्षेत्रों में उनके हिन्दी-अनुवाद-सम्बन्धी कौशल में वृद्धि लाना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकृति, अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व, बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अनुवाद-कार्य की भूमिका, **अनुवाद के प्रकार** – शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद

इकाई 2 **अनुवाद प्रक्रिया के तीन चरण** – विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन

अनुवाद की भूमिका – पाठक की भूमिका (अर्थ-ग्रहण की), द्विभाषिक की भूमिका (अर्थांतरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थ-सम्प्रेषण की प्रक्रिया)

सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएँ, सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर, गद्यानुवाद और काव्यानुवाद में अन्तर

इकाई 3 **कार्यालयीन अनुवाद :** राजभाषा-नीति के अनुपालन में धारा **3(3)** के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेजों का अनुवाद (शासकीय पत्र/ अर्धशासकीय पत्र/ परिपत्र/ ज्ञापन/ कार्यालयीन आदेश/ अधिसूचना/ संकल्प-प्रस्ताव/ निविदा-संविदा/ विज्ञापन

व्यावहारिक अनुवाद (हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी)

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *अनुवाद विज्ञान* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. *अनुवाद-सुधा (भाग-1)* -- डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।
3. *अनुवाद-सुधा (भाग-2)* -- डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।
4. *प्रयोजनमूलक हिन्दी* – डॉ॰ विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. *प्रयोजनिक हिन्दी* – डॉ॰ बालेंदु शेखर तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना।
6. *प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण* -- प्रो॰ विराज, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली।
7. *व्यावहारिक आलेखन और टिप्पण* – डॉ॰ अमूल्य बर्मन, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी।
8. *कार्यालय सहायिका* -- हरिबाबू कंसल, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, दिल्ली।

लामडिंग कॉलेज

परियोजन कार्य

सन् :- २०२४

विषय :- 'अनुवाद : स्वरुप, आवश्यकत्ता, महत्त्व, प्रकार'

विषय नाम :- अनुवाद विज्ञान

विषय संख्या :- HIN-SE-4014

प्रस्तुत कर्ता :-

विभाग कक्ष :-
हिन्दी विभाग

नाम :- पुष्पिता दास

कक्षा :- T.D.C. 4th Semester

कक्षानुक्रमांक :- २७४

विश्वविद्यालय अनुक्रमांक :-
UA-२२१-304-0226

पंजीकरण :- २२०२२४५1

फोन नंबर :-
602625338

प्रस्तुत करने का दिनांक :-
२०/03/२०२४

"अनुवाद: स्वरूप, आवश्यकता, महत्व, प्रकार।

अनुवाद :-

किसी भाषा में कही या लिखी गयी बात का किसी दूसरी भाषा में सार्थक परिवर्तन अनुवाद (Translation) कहलाता है, अनुवाद का कार्य बहुत पुराने समय से होता आया है।

संस्कृत में "अनुवाद" शब्द का उपयोग शिष्य द्वारा गुरु की बात के दुहराए जाने, पुनः कथन, समर्थन के लिए प्रयुक्त कथन, आवृत्ति जैसे कई संदर्भों में किया गया है। संस्कृत के "वद्" धातु से "अनुवाद" शब्द का निर्माण हुआ है। "वद्" का अर्थ है बोलना। "वद्" धातु में "अ" प्रत्यय जोड़ देने पर भाववाचक संज्ञा में इसका परिवर्तित रूप है "वाद" जिसका अर्थ है - "कहने की क्रिया" या "कही हुई बात"। "वाद" में "अनु" उपसर्ग जोड़कर "अनुवाद" शब्द बना है, जिसका अर्थ है, प्राप्त कथन को पुनः कहना। इसका प्रयोग पहली बार मोनियर विलियम ने अँग्रेजी शब्द ट्रांसलेशन (Translation) के पर्याय के रूप में किया। इसके बाद ही "अनुवाद" शब्द का प्रयोग एक भाषा में किसी के द्वारा प्रस्तुत की गई सामग्री की दूसरी भाषा में पुनः प्रस्तुति के संदर्भ में किया गया।

वास्तव में अनुवाद भाषा के इन्द्रधनुषी रूप की पहचान का समर्थतम मार्ग है। अनुवाद की अनिवार्यता को किसी भाषा की समृद्धि का शोर मचा कर टाला नहीं जा सकता और न अनुवाद की बहुकोणीय

लामाडिंग कॉलेज

परियोजना कार्य

विषय : अनुवाद : स्वरूप, आवश्यकता, महत्व, प्रकार ।

विभागाध्यक्ष : हिन्दी विभाग

प्रस्तुत कर्ता -

नाम : अवंतिका मंडल

अनुक्रमांक : UA-221-304-0175

पंजीकरण : 22022202

कक्षा : चौथी छमाही

Paper code : HIN-SE-4014

अनुवाद : स्वरूप, आवश्यकता, महत्व, प्रकार

अनुवाद : अनुवाद (translation) का कार्य स्रोत-भाषा के पाठ को अर्थपूर्ण रूप से लक्ष्यभाषा में अनूदित करता है। अनुवाद का कार्य अन्ततोगत्वा एक ही व्यक्ति करता है। एकांकी अनुवाद में तो अनुवाद अकेला होता ही है, सहयोगात्मक अनुवाद में भी, अन्तिम भाग में, सम्पादन का काम अनुवादक को अकेले करना होता है। अतः अनुवादक के साथ अनेक दायित्व जुड़ जाते हैं और कार्य के सफल निष्पादन में उससे अनेक दायित्व जुड़ जाते हैं और कार्य के सफल निष्पादन में उससे अनेक अपेक्षाएँ रहती हैं।

लामडिंग कॉलेज

होजाई, असम

परियोजना कार्य

सन् 2024

विषय – अनुवाद : स्वरूप, आवश्यकता, महत्व, प्रकार ।

HIN-SE-4014

प्रस्तुत कर्ता

नाम – रानी कुमारी
अनुक्रमांक – UA-221-304-0096
पंजीकरण – 22022470
कक्षा – 4nd sem
कक्षा रोल नं – 303

विभागाध्यक्ष :-
हिन्दी विभाग
लामडिंग कॉलेज,
नवाज नगाँव, असम

उद्देश्य

प्रस्तुत इकाई को पढ़ने के बाद आप:

- अनुवाद के स्वरूप को विभिन्न संदर्भों मे समझ पाएगें
- प्रयोग के विभिन्न क्षेत्रो मे अनुवाद के महत्व और उसकी उपयोगिता को समझ पाएगे :
- अनुवाद कार्य की चुनौतियो से अवगत हो पाएंगा तथा
- यह समझ पाएंगा कि विविध क्षेत्रो मे अनुवाद करते समय किन-किन बातो का ध्यान रखे जाने की आवश्यकता है।

प्रस्तावना

प्रस्तावना इकाई इस पाठ्यक्रम की प्रथम इकाई है जिसमें सर्वप्रथम अनुवाद के स्वरूप और आयाम पर चर्चा की जाएगी। अनुवाद के अर्थ और स्वरूप पर चर्चा करते हुए ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रो मे अनुवाद के महत्व पर संक्षेप मे चर्चा की जाएगी और साथ की अनुवाद कार्य में अनुवादको द्वारा अनुभव की जाने वाली विभिन्न चुनौतियो पर भी विस्तार से चर्चा होगी।
अनुवाद मानव जीवन के प्रारंभ से चली आ

REDMI NOTE 10 PRO